



Absolute Truth

Know God Know Truth

Monthly Newsletter of ISKCON Delhi-NCR



News

 **Rama Navami (2nd April)**
(ISKCON, East of Kailash)

As the temple remains closed to the public due to the ongoing threat of Covid-19, all festivals at Sri Sri Radha Parthasarathi Temple are being celebrated behind closed doors. On Rama Navami which also marks the inaugural anniversary of ISKCON, East of Kailash, an abhishek was conducted in all the three altars of the temple.



 **Sannyasa Diksha of His Holiness Bhakti Rakshak Radha Gokulananda Swami Maharaja**
(ISKCON, East of Kailash)

Accepting the renounced order is surrendering oneself wholeheartedly to the service of Guru and Gauranga. A sannyasi is expected to give up all material comforts and personal desires or attachments to serve the mission of Srila Prabhupada. H.G. Raghava Pandit Prabhu of Sri Sri Radha Parthasarathi Temple, is a well-known senior disciple of His Holiness Gopal Krishna Goswami Maharaja. His contribution to the development of the temple at East of Kailash as well as other projects under the aegis of his Guru Maharaja, are unparalleled. He has been a key figure in all major services of the top management of ISKCON, East of Kailash. He was




समाचार

 **राम नवमी (2 अप्रैल)**
(इस्कॉन मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश)

चूंकि कोविड-19 के चल रहे संकट के कारण मंदिर जनता हेतु बंद है, अतः श्री श्री राधा पार्थसारथी मंदिर में सभी त्योहार बंद दरवाजों के पीछे मनाए जा रहे हैं। राम नवमी के उपलक्ष्य में, जो इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश मंदिर के उद्घाटन की वर्षगांठ का प्रतीक भी है, मंदिर के सभी तीनों वेदियों में भगवान के अभिषेक का आयोजन किया गया।



 **परम पूज्य भक्ति रक्षक राधा गोकुलानंद स्वामी महाराज की संन्यास दीक्षा**
(इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

संन्यास दीक्षा गृहण कर एक संन्यासी भक्त स्वयं को पूर्ण रूप से गुरु एवं गौरांग की सेवा में समर्पित करते हैं। एक संन्यासी से अपेक्षा की जाती है कि वह श्रील प्रभुपाद के मिशन की सेवा करने हेतु सभी भौतिक सुख-सुविधाओं तथा व्यक्तिगत इच्छाओं या आसक्तियों का त्याग कर दे। श्री श्री राधा पार्थसारथी मंदिर के श्रीमान राघव पंडित प्रभुजी, परम पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज के जाने-माने वरिष्ठ शिष्य हैं। अपने गुरु महाराज के तत्वावधान में न केवल ईस्ट ऑफ कैलाश मंदिर, अपितु अन्य मंदिर की कई परियोजनाओं के विकास में



granted the sannyasa order in a private ceremony due to the Covid-19 lockdown. The ceremony was conducted following all the rules and restrictions of the lockdown. There was a ceremonial yajna organised at the end of the ceremony which was followed by a discourse by His Holiness Gopal Krishna Goswami Maharaja.

Beginning of Tulasi Jaladana (14th April) (ISKCON, All Delhi-NCR Temples)

The annual Jaladana festival began from the 14th of April. Offering water to Tulasi Maharani who is a pure devotee of the Lord, during the month of Jyestha is considered purifying and spiritually elevating.

Brhad Bhagavatamrita - The Uncomparable Ocean of Mercy (ISKCON, Punjabi Bagh)

A seminar on Brhad Bhagavatamrita was given by H.G. Rukmini Krishna Prabhu. The divine scripture describes the nature and glories of most elevated devotees of the Lord including Indra, Brahma, Shiva, Hanuman, Prahlada, Uddhava, up to the Gopis and Srimati Radharani. The title was most intriguing one "Who is the recipient of top-most mercy of the Supreme Lord Krishna". The seminar was initially envisaged for 4 days, but was later extended to 7 days due to requests from devotees who were feeling totally ecstatic hearing the divine glories of top devotees of the Lord, with a hope to imbibe some of their qualities. There was very active participation from online viewers who felt very enriched.

Lockdown Sadhu-sanga and Sravanam (entire month of April) (ISKCON, East of Kailash)

While the world is confined indoors and struggling to pass their time, devotees have been using this period to indulge in study of shastras and associating with each other for more Krishna katha. There are various classes being run on a daily basis by several senior devotees of the temple. H.G. Mohan Rupa Prabhu, Temple President, East of Kailash, is guiding devotees in the study of the nectarean Madhurya Kadambini, on Zoom and YouTube channels. H.G. Rishi Kumar Prabhu is also doing Bhagavad-gita discourses on Zoom, daily. H.G. Sarvapriya Prabhu is presenting discourses on the eleventh canto of the Srimad Bhagavatam. Hundreds of devotees are logging in to these classes daily in order to utilize their time in a fruitful manner. While the world struggles emotionally to deal with the situation, devotees



उनका योगदान अद्वितीय है। वह ईस्ट ऑफ कैलाश इस्कॉन मंदिर के शीर्ष प्रबंधन की सभी प्रमुख सेवाओं में एक प्रमुख व्यक्ति रहे हैं। उन्हें कोविड-19 लॉकडाउन के कारण एक निजी समारोह में संन्यास दीक्षा दी गई। लॉकडाउन के नियमों का पूर्णतः पालन एवं प्रतिबंधों के अनुरूप ही यह समारोह आयोजित किया गया। समारोह के अंत में एक औपचारिक यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसके बाद परम पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज जी ने प्रवचन दिया।


तुलसी जलदान की शुरुआत (14 अप्रैल) (इस्कॉन, सभी दिल्ली-एनसीआर मंदिर)

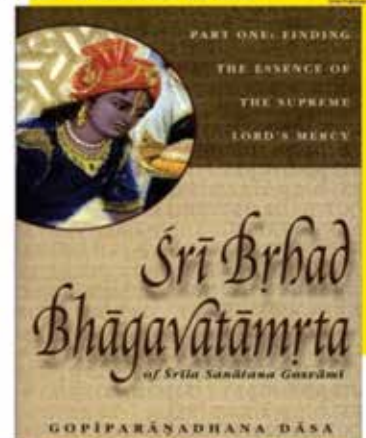
14 अप्रैल से वार्षिक जलदान उत्सव शुरू हुआ। ज्येष्ठ के महीने के दौरान तुलसी महारानी को जल अर्पित करना, जो कि भगवान की एक शुद्ध भक्त हैं, परम पवित्र और आध्यात्मिक रूप से उन्नत बनाने वाला माना जाता है।

ब्रह्म भागवतामृत - दया का अपार सागर (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

ब्रह्म भागवतामृत पर एक संगोष्ठी श्रीमान रुक्मिणी कृष्ण प्रभु द्वारा आयोजित की गई। सबसे मोहक एवं लुभावने शीर्षक परम भगवान श्री कृष्ण का सर्वोच्च कृपापात्र भक्त कौन है? के साथ ही इस दिव्य ग्रंथ में भगवान के इंद्र, ब्रह्मा, शिव, हनुमान, प्रह्लाद, उद्धव, गोपियों और श्रीमति राधारानी सहित अधिकांश सबसे उन्नत भक्तों की प्रकृति एवं महिमा का वर्णन किया गया। शुरू में संगोष्ठी 4 दिनों के लिए परिकल्पित की गई थी, परंतु बाद में उन्हीं भक्तों के अनुरोध के कारण 7 दिनों के लिए बढ़ा दी गई जो कि भगवान के शीर्ष भक्तों की दिव्य महिमाओं का वर्णन सुनकर उनके कुछ गुणों को आत्मसात करने की आशा लिए पूर्ण आनंदित अनुभव कर रहे थे। बहुधा ऑनलाइन दर्शकों की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जिन्होंने बहुत समृद्ध महसूस किया।

**4 days
ONLINE SEMINAR**

**by
HG RUKMINI
KRISHNA
DAS**

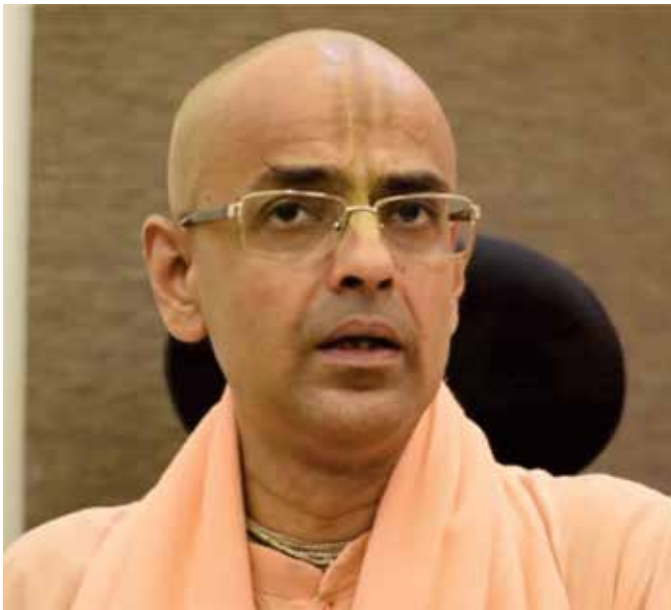
**Śrī Brhad
Bhāgavatāmṛta**
of Śrīla Sanātana Goswami
GOPIPARĀNADHANA DĀSA

**22nd - 25th March 2020
7.30PM - 9PM**

**WHO IS THE RECIPIENT OF
TOPMOST MERCY OF LORD?**

LIVE ON :
**YouTube/ISKCON Punjabi Bagh
ISKCON PB Mobile App**

**android : ISKCON PB
IOS : ISKCON PB**



seek and achieve bliss in the association of each other as well as study of Vedic literature.

Remembering H.G. Jayananda Prabhu (15-16 Apr)
(ISKCON, Punjabi Bagh)

A 2-day seminar on the life of one of Srila Prabhupada's dearest disciples and ISKCON's original Ratha-yatra hero – H.G. Jayananda prabhu. Jayananda prabhu played a very vital role in taking lord Jagannatha to different parts of the world by way of ecstatic Ratha-yatras, where he would do everything, from fund raising, to publicity, to seeking government permissions as well as building huge carts for the most magnanimous Lordships. Besides being such an able organizer, what really differentiated Jayananda prabhu was his extreme humility and service attitude, never really caring for himself but living with a single pointed aim of serving his spiritual master. The devotees were very inspired by his example.

Aksaya Tritiya - Candana Yatra starts (26th April)
(ISKCON, All Delhi-NCR Temples)

On the third lunar day of the waxing moon of Vaisakha month, the 21 day Candana yatra begins. The sandalwood's cooling effect is very pleasing to the body of the Lord, especially at this time, since the month of Vaisakha is very



लॉकडाउन साधु – संग और श्रवणम्

(अप्रैल का पूरा महीना)
(इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

अब जबकि दुनिया घर के अंदर ही सीमित है और अपना समय बिताने हेतु संघर्षरत हैं, भक्तजन इस अवधि का उपयोग शास्त्रों के अध्ययन और एक-दूसरे की संगत प्राप्ति एवं कृष्ण कथा हेतु कर रहे हैं। मंदिर के कई वरिष्ठ भक्तों द्वारा दैनिक आधार पर विभिन्न ऑनलाइन कक्षाएं चल रही हैं। श्रीमान मोहन रूप प्रभुजी ईस्ट ऑफ कैलाश मंदिर के अध्यक्ष, जूम और यूट्यूब चैनलों पर भक्तों का अमृतमयी माधुर्य कादंबिनी के अध्ययन हेतु मार्गदर्शन कर रहे हैं। श्रीमान ऋषि कुमार प्रभु भी जूम, पर दैनिक रूप से भगवद-गीता प्रवचन कर रहे हैं। श्रीमान सर्वप्रिय प्रभुजी श्रीमद्भागवतम् के ग्यारहवें सर्ग पर प्रवचन कर रहे हैं। अपने समय का एक फलप्रद ढंग से सदुपयोग करने हेतु, सैकड़ों भक्त नित्य इन ऑनलाइन कक्षाओं में उपस्थित हो रहे हैं। जबकि दुनिया इस स्थिति से निपटने हेतु भावनात्मक रूप से संघर्षरत है, भक्त वैदिक साहित्य के अध्ययन के साथ-साथ एक-दूसरे का सहयोग प्राप्त कर आनंद उठा रहे हैं।

जयानंद प्रभु का स्मरण (15-16 अप्रैल)
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

श्रील प्रभुपाद के सबसे प्रिय शिष्यों में से एक एवं इस्कॉन रथ-यात्रा के मूल नायक-श्रीमान जयानंद प्रभु के जीवन पर 2-दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की गई। दिव्य रथ-यात्राओं के द्वारा संसार के विभिन्न हिस्सों में भगवान जगन्नाथ को ले जाने में जयानंद प्रभु ने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जहां वह धन जुटाने से लेकर प्रचार तक, परम भगवान के लिए सरकारी अनुमति लेने के साथ-साथ बड़े-बड़े रथ बनाने तक सब कुछ स्वयं करते थे। इतने सक्षम आयोजक होने के उपरांत भी, वास्तव में जयानंद प्रभु की अत्यधिक विनम्रता और उनका सेवा-भाव ही उन्हें सबसे अद्वितीय बनाता है, वास्तव में कभी भी स्वयं की कोई चिंता न कर अपितु वे अपने आध्यात्मिक गुरु की सेवा करने के एक एकल उद्देश्य के साथ ही रहते थे। उनके उदाहरण से भक्त बहुत प्रेरित होते हैं।

अक्षय तृतीया – चंदन यात्रा आरंभ (26 अप्रैल)
(इस्कॉन, सभी दिल्ली-एनसीआर मंदिर)

वैशाख मास के शुक्ल-पक्ष की तृतीय तिथि को, 21 दिवसीय चंदन यात्रा आरंभ होती है। चंदन का शीतलक प्रभाव भगवान के शरीर को बहुत भाता है, विशेषकर इस समय, क्योंकि भारत में वैशाख का महीना बहुत गर्म होता है। गौड़ीय-सम्प्रदाय के एक महान अनुयायी माधवेन्द्र पुरी जी ने एक बार स्वप्न में देखा कि उनके गोपाल जी बहुत गर्मी अनुभव कर रहे हैं तथा उड़ीसा से उनके लिए चंदन लाने को कह रहे हैं। अगली सुबह, माधवेन्द्र पुरी, उड़ीसा हेतु रवाना हुए। अपनी यात्रा से वापस आते समय वह रेमुना में गोपीनाथ मंदिर में आराम करने को रुक गए, जो कि अपने भगवान को अमृतकेली खीर अर्पित करने हेतु प्रसिद्ध है। अपने शुद्ध भक्त की इच्छा पूर्ति हेतु गोपीनाथ जी ने माधवेन्द्र पुरी के लिए खीर का कटोरा चुराया था। चंदन यात्रा एक शुद्ध भक्त की निष्ठा एवं समर्पण का स्मरण कराती है, जिसके लिए गुरु एवं कृष्ण का निर्देश ही सबसे महत्वपूर्ण एवं सर्वोच्च प्राथमिकता है। भगवान के शरीर को चंदन लेपन द्वारा सुगंधित और ठंडा रखने हेतु यह त्यौहार 21 दिनों तक मनाया जाता है। भगवान को प्रेमपूर्ण

hot in India. Madhavendra Puri, a great follower of Gaudya-sampradaya once dreamt that his Gopal was feeling very hot and asking him to bring candana for him from Orissa. The next morning, Madhavendra Puri, set off for Orissa. On his journey back, he stopped to rest at the temple of Gopinath at Remuna, which happens to be famous for its offering of amrtakeli kheer. In order to fulfill the desire of his pure devotee, Gopinath stole a bowl of kheer for Madhavendra Puri. The Candana Yatra is a reminder of the dedication and surrender of a pure devotee for whom, the instruction of Guru and Krishna are foremost and top priority. This festival is celebrated by smearing the Lord's body with fragrant and cooling chandana for 21 days. The paste is made by devotees wishing to render loving devotional service to the Lord.

The Candana Yatra commences from the auspicious day of Aksaya Tritiya. This day has the potency to increase our spiritual credit manifold. Although materialists celebrate this day by buying gold and precious stones, in order to multiply their material wealth, Vaishnavas celebrate this day by chanting and hearing the pastimes of the Lord. Increased number of rounds, activities performed in devotional service and other devotional engagements help a devotee to dovetail his consciousness in Krishna, on this day and on all others.

ISKCON feeds 12 lac people daily during lockdown (ISKCON, All Delhi-NCR Temples)

In the trying times of Covid-19 threat ISKCON has been applauded for stepping up for supporting governments and helping people by distributing healthy and nutritious meals to the needy all across the nation. The number of beneficiaries is around a whopping 12 lac. Due to these staggering statistics, ISKCON has been noticed and talked about for its gigantic contribution in community service. The meals being distributed are made in huge kitchens, with cleanliness being maintained. These meals are high in nutritional value as well as spiritually nourishing as they are offered to the Lord and distributed as prasadam.



Delhi is leading by providing meals to 2.5 lac people every day. This is being done with the inspiration of His Holiness Gopal Krishna Goswami Maharaja, who rose to the occasion by delivering a video message broadcast all over the world, encouraging people to follow the government regulations, be extra vigilant and stay indoors. In his message he urged

Candana Yatra

26th April to 16th May 2020



**gopala kahe, puri amara tapa nahi yaya
malayaja-candana lepa', tabe se judaya**

"In his dream, Mādhavendra Puri saw Gopāla, who said, "My bodily temperature still has not decreased. Please bring sandalwood from the Malaya province and smear the pulp over My body to cool Me."

—Sri Caitanya Caritamrita: Madhya Lila (4.106)

ISKCON PUNJABI BAGH

भक्ति एवं सेवा प्रदान करने की कामना से भक्तों द्वारा यह चंदन का लेप बनाया जाता है।

चंदन यात्रा अक्षय तृतीया के शुभ दिन से आरंभ होती है। इस विशेष दिवस में हमारे आध्यात्मिक कोष को कई गुना बढ़ाने की क्षमता है। हालांकि भौतिकता वादी अपनी भौतिक संपत्ति को बढ़ाने हेतु इस दिन को कीमती जेवर, जवाहरात एवं सोना खरीदकर मनाते हैं, परंतु, वैष्णव इस दिन भगवान के नामों का जाप एवं भगवान की लीलाओं आदि का श्रवण करके मनाते हैं। अपने जाप की संख्या में वृद्धि, तथा भक्त अपनी भक्ति को बढ़ाकर एवं अन्य भक्तिपूर्ण कार्यक्रमों में की गई गतिविधियों द्वारा भी इस दिन तथा अन्य सभी दिनों में भी भक्त को कृष्ण में अपनी चेतना को स्थित करने में मदद मिलती है।

लॉकडाउन के दौरान इस्कॉन रोजाना 12 लाख लोगों को खाना खिलाता है (इस्कॉन, सभी दिल्ली-एनसीआर मंदिर)

कोविड-19 खतरे के समय में इस्कॉन को सरकार के समर्थन हेतु कदम बढ़ाने तथा पूरे देश में जरूरतमंदों को स्वस्थ और पौष्टिक भोजन वितरित करके लोगों की मदद करने हेतु साराहना की गई। लाभार्थियों की संख्या लगभग 12 लाख है। इन चौंका देने वाले आँकड़ों के कारण, इस्कॉन पर ध्यान दिया गया और सामुदायिक सेवा में उसके इस विशाल योगदान की चर्चा है। वितरित किए जा रहे भोजन को विशाल रसोई में बनाया जाता है, जिसमें स्वच्छता का पूर्ण ध्यान रखा जाता है। ये भोजन पौष्टिक मूल्य के साथ-साथ आध्यात्मिक रूप से पौष्टिक होते हैं क्योंकि इन्हें भगवान को अर्पित किया जाता है और प्रसाद के रूप में वितरित किया जाता है। प्रतिदिन 2.5 लाख लोगों को भोजन उपलब्ध कराने में दिल्ली अग्रणी है। परम पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज की प्रेरणा से यह किया जा रहा है, जो इस अवसर पर दुनिया भर में प्रसारित वीडियो संदेश पहुंचाकर, लोगों को सरकारी नियमों का पालन करने हेतु प्रोत्साहित



करने, अतिरिक्त सतर्कता रखने एवं घर के अंदर रहने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। अपने संदेश में उन्होंने सरकार के प्रयासों में सहयोग करने और समर्थन करने हेतु लॉकडाउन नियमों के अनुपालन का आग्रह किया है। माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने, इस प्रयास का संज्ञान लिया और इसे एक बार नहीं, बल्कि दो बार ट्विटर पर स्वयं ट्वीट करके भी सराहा। भोजन के वितरण हेतु सभी प्रमुख समाचार चैनलों के अलावा, इस्कॉन को अपने इन विशेष प्रयासों के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री श्री मनीष सिसोदिया द्वारा भी सराहना प्राप्त हुई है।

यद्यपि श्री श्री राधा माधव मंदिर (इस्कॉन रोहिणी) अपने निर्माण पूरा होने के अंतिम चरण में है फिर भी मंदिर के अध्यक्ष श्रीमान केशव मुरारी दास के दूरदर्शी नेतृत्व के अंतर्गत, मंदिर के नित्यानंद और गौरांग समूह, भूखे लोगों को भोजन कराने की दौड़ में पीछे नहीं रहे बल्कि सबसे आगे थे। श्रीमान उपेन्द्र वामन दास, एवं श्रीमान सचीनंदन दास ने दो समूहों से गरीब एवं निर्दोष लोगों को भूख से बचाने हेतु ब्रह्म-19 के खिलाफ लड़ाई में कई अन्य भक्तों का नेतृत्व किया। स्थानीय पुलिस से अनुमति मिलने के बाद, वे सुबह के समय सार्वजनिक रसोई तैयार कर, फिर अपने प्राण संकट में डालकर भोजन के पैकेटों को वितरित करने निकल जाते। शुरुआत में, लक्ष्य 500 ऐसे पैकेटों के वितरण का रहा, परंतु एक या दो दिनों के भीतर ही, उन्हें बढ़ाकर 2000 पैकेट कर दिया गया।

मंदिर की सभी मंडली के सदस्यों ने अपनी पूर्ण क्षमता के साथ इस पुनीत कार्य हेतु महान योगदान दिया।

compliance to lockdown rules in order to co-operate and support the efforts of the government. The Honourable Prime Minister Shri Narendra Modi, took cognizance of this effort and lauded it on twitter, not once but twice. Besides featuring on all major News channels for the distribution of meals, ISKCON has also been praised and appreciated for its efforts by the Chief Minister of Delhi Shri Arvind Kejriwal and the Deputy Chief Minister Shri Manish Sisodia.

Sri Sri Radha Madhav Temple (ISKCON ROHINI) though in the final stages of its completion didn't lag behind in the race. Under the visionary leadership of the temple president H.G. Keshav Murari Das, Nityananda & Gauranga groups of the temple were on the forefront for the hungry. H.G. Upendra Vaman Das, H.G. Sachi Nandan Das from these two groups led so many other devotees in the battle against COVID-19 to save the poor & innocent people from hunger. After getting permission from the local police, they used to make public kitchens in the morning & then move out risking their own lives to distribute the food packets. In the beginning, the target was of 500 such packets but within a day or two, they were increased to 2000 packets

All the temple congregation members donated for the noble cause to the best of their capacities.

Making most of a bad bargain

As the human race suffers confinement brought about by its irresponsible behaviour, followers of ISKCON have been using this time to gallop on their path of spiritual seeking. Taking help of online meeting portals such as Zoom, Skype etc. devotees have been engaging themselves in discussions based on Vedic scriptures. Study and contemplation over spiritual subject matter with the intent of progressing on spiritual path, have been the main goals of devotees during this lockdown period.



This time has been a blessing in disguise, providing association of His Holiness Gopal Krishna Goswami Maharaja, to devotees all around the world. Use of technology to connect spiritual enthusiasts is a perfect example of putting everything to its best use. While there has been much fretting and fuming over the situation in the world, devotees have turned this period of lockdown into one of realisation, treating it as condensed mercy and exercising and increasing their deep faith in the shelter of the Lord.



सीमित उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम समुचित उपयोग करना

जिस प्रकार मानव सभ्यता अपने अनुत्तरदायी व्यवहार पूर्ण विधि से पनपने वाली प्रकृति की विभीषिका झेलने हेतु मजबूर है, ऐसे में इस्कॉन के अनुयायी इस समय का अधिकतम उपयोग आध्यात्मिक खोज के मार्ग पर उन्नत होने हेतु कर रहे हैं। ऑनलाइन मीटिंग पोर्टल जैसे जूम, एवं स्काइप आदि की सहायता से भक्तगण अपने आपको वैदिक शास्त्रों पर आधारित चर्चाओं में संलग्न रख रहे हैं। इस लॉकिंग अवधि के मध्य आध्यात्मिक पथ पर प्रगति की इच्छा से आध्यात्मिक विषय पर अध्ययन और चिंतन, भक्तों का मुख्य लक्ष्य रहा है।

यह विपदाकाल का समय भी परम पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज का संग प्रदान कर दुनिया भर के सभी भक्तों को आशीर्वाद स्वरूप दृष्टिगोचर हुआ। आध्यात्मिक उत्साही जनो को जोड़ने हेतु प्रौद्योगिकी का उपयोग इसके समुचित सर्वोत्तम उपयोग का एक आदर्श उदाहरण है। जबकि दुनियाभर में इस स्थिति पर बहुत ही विक्षोभ और नाराजगी बनी हुई है, भक्तों ने लॉकडाउन की इस अवधि को प्रभु की सघन दया स्वरूप मानकर एवं कृष्ण की शरण में अपनी गहन श्रद्धा में उन्नति को अभ्यासरत हो एक आत्मानुभूति में परिवर्तित कर दिया है।



Upcoming events:

🌳 Narsimha Caturdashi (6th May, 2020)

Due to the lockdown, all festivals have been celebrated as low-key affairs behind closed doors, at the temple. Since the public is prohibited to congregate, the festival of Narsimha Caturdashi too, will be celebrated in a similar manner.

There will be abhishek of the Lord, amidst kirtan and chanting of the Lord's transcendental names. However, the devotees shall celebrate with undulating fervour, by intensifying their prayers to the saviour of Prahlada Maharaja to also save and protect them. Lord Narsimhadeva appeared to provide protection to His dear most devotee Prahlada from his demoniac father and his oppressive treatment. Narsimhadeva is the shelter for devotees who are in danger. Since the material world is a place of constant danger, one can be saved from this perilous situation only by holding on to the lotus feet of Lord Narsimhadeva. In times of distress, devotees call out to the Lord for safety and protection coupled with a strong faith that they will be sheltered.



आगामी कार्यक्रम

🌳 नरसिम्हा चतुर्दशी (6 मई, 2020)

लॉकबंदी के कारण, सभी त्योहारों को मंदिर में बंद दरवाजे के पीछे कम महत्व के कार्यों के रूप में मनाया जा रहा है। चूंकि सार्वजनिक रूप से भीड़ इकट्ठी करना निषेध है, अतः नरसिम्हा चतुर्दशी का त्योहार भी इसी तरह मनाया जाएगा।

भगवान के अभिषेक एवं कीर्तन के बीच, भगवान के दिव्य नामों का जाप होगा। हालांकि, भक्तजन बड़े ही उत्साह एवं उमंग के साथ प्रह्लाद महाराज के उद्धारकर्ता के प्रति अपनी प्रार्थनाओं को तीव्र करते हुए अपनी भी रक्षा करने हेतु प्रार्थना करेंगे। भगवान नरसिम्हदेव अपने सबसे प्रिय भक्त प्रह्लाद को उनके राक्षस पिता और उसके दमनकारी व्यवहार से सुरक्षा प्रदान करने हेतु अवतरित हुए हैं। नरसिम्हदेव उन भक्तों के लिए आश्रय हैं जो विपदा में हों। चूंकि भौतिक संसार निरंतर विपदाओं से भरा हुआ है, अतः भगवान नृसिंहदेव के चरण कमलों को धारण करके ही इस विकट स्थिति से बचा जा सकता है। संकट के समय में, भक्तजन एक मजबूत विश्वास के साथ सुरक्षा एवं संरक्षण हेतु भगवान का आर्तनाद करते हैं क्योंकि उन्हें यह सशक्त विश्वास है कि यहाँ ही उन्हें भगवत शरणागति प्राप्त होगी।

Momma, Is This Corona Kṛṣṇa?

I've been working from home since the Coronavirus pandemic spun into global crisis mode. And I must say — I really like it! I can pace myself and avoid office gossip — and those nasty train journeys at the beginning and end of every working day no longer have a chance to harass and trouble me.

I've completed my assigned duties for today well ahead of time, and so I've decided to make some fresh, crispy bread rolls for Nitāi-Gaurasundara. This is something I really like to do. But for the last couple of years such inspirations have been regularly and very soundly defeated by a very powerful *mantra* — ***No time! No time! You have no time!***

I walk over to place the trays in the oven and am greeted by a very familiar voice. It's that of Lalitā, my six-year old daughter.

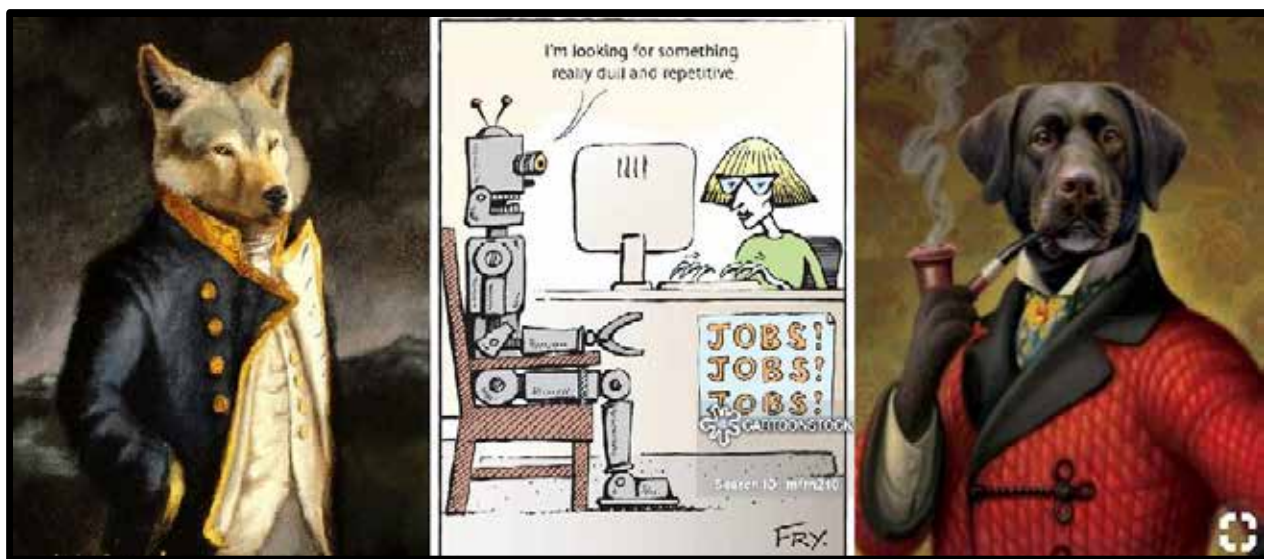
* ***Momma, I have a question for you.***

* ***Sure! What is it, my darling one?***

* ***Momma, is this Corona Kṛṣṇa?***

It was a real stomp-the-teacher question — but not unusual for my Lalitā. She's a very precocious child with a very, very active mind and an ongoing limitless list of questions. There was a time when I would dismiss all her thoughts as childish gibberish and give her an emphatic NO for an answer. But I've realized that her vision is much broader than mine and that I can truly learn from her. I hesitated before replying ***What could I say to help ground her? To help her clearly focus and speak her thoughts?*** I decided to answer with a question....

* ***My dear Lalitā, why would Kṛṣṇa incarnate as such a nasty, bothersome bug? Why would He want to hurt and harass so many people so much?***



* ***That's a good question, Momma. I've already thought about it a lot. You know what?! Kali and his age are very, very nasty — and he's very, very***

clever. It's clear to me that his program is to turn all we humans into animals or machines. That makes his work much easier. But Kṛṣṇa can't bear to see this. He can't come in human form at this time because animals and machines don't listen to reason or commonsense. And so He decided to come as a bug and create havoc in terms all can clearly understand. This is all just a big wake-up call, Momma! Kṛṣṇa wants us to wake up to all the daily madness we accept as normal.

** That's interesting, Lalitā, but can you think of anything in Śrīla Prabhupāda's Bhagavad-gītā that supports what you're saying?*

** Yes, Momma. In yesterday's skype class, Govinda Mātājī taught us Bg 4.7:*

*yadā yadā hi dharmasya
glānir bhavati bhārata
abhyutthānam adharmasya
tadātmānam sṛjāmy aham*

Whenever and wherever there is a decline in religious practice, O descendant of Bharata, and a predominant rise of irreligion — at that time I descend Myself.

She also told us that in his ŚB 1.3.26 purport, Śrīla Prabhupāda mentions that Kṛṣṇa incarnates in every species of life. That really got me thinking! Momma, this Corona virus is no ordinary bug. He's creating global havoc and bringing all the big world leaders and nations to their knees. This is a special quality of Kṛṣṇa — no one is greater than Him, and no one is equal to Him!

** Lalitā, you just mentioned that Kṛṣṇa has come in this form to give us a global wake-up call. What exactly do you mean by that?*

** Momma, everyone in this Age is suffering like anything — and everyone is thinking that it's normal. Isn't that madness?!*

** Are you suffering, Lalitā?*

** Oh yes, Momma. I've been suffering so much for such a long time, but I've just been tolerating it — and praying every day to Kṛṣṇa.*

** Really?! You are suffering Lalitā? I thought you were happy. Your Papa and I are working so hard to give you only the very best of everything.....*

** Yes, I know that — and I love you for it. But let me share my angle on life, Momma. I am six years old but I don't ever remember Papa giving me a hug*

and putting me to bed — he comes home from work too late or too tired to do that. You both work six days a week, but he has Monday as a holiday and you have Sunday. That means we never get to spend time together as a family. Life just means Run, run, run. Work, work, work! It's HORRIBLE!

- * *So you think Kṛṣṇa has come as this nasty Coronavirus just to answer your prayers, Lalitā?*

Placing her little hands on her little hips in controlled but obvious indignation, and fighting back fast swelling tears, Lalitā emphatically — and very emotionally — replied,

- * *Momma, there are countless kids all over the planet who feel just like I do. We're just little people and so nobody takes us seriously — except Kṛṣṇa! Only Kṛṣṇa knows what we're really going through! Everyone is bad naming the Coronavirus, but I am seeing so many good things. Now when I go into the front garden to play, my throat and eyes don't get itchy. And I don't cough all the time because of the polluted air. I can breathe freely. I don't hear cars — I hear birds. It's so wonderful! One of my class mates has relatives in China — and she says the people there are seeing a blue sky for the first time in many, many years. Isn't that all good, Momma? Don't we need to make some big changes in this world? And don't we need Kṛṣṇa's special help to do that?*



- * *Lalitā, how can you see the present global madness as Kṛṣṇa's special help?! Devotees are SUFFERING! Everyone is SUFFERING!*
- * *Momma, when we make mistakes, we suffer. And when we make big mistakes, we suffer big time. Is it kindness to give someone all facility to keep making mistakes — and keep suffering?! And besides that, the devotees I know are not suffering. There's quite some inconvenience, that's for sure — but it's*

nothing compared to what they usually have to tolerate in their daily lives. Now they finally have time to chant quality japa and read Śrīla Prabhupāda's books with some focus. And there is so much nectar online they can tune into anytime anywhere on the planet. They also have time to spend quality time with their families. Kṛṣṇa is really giving His devotees some very much needed breathing space. He's giving them the very badly needed time and space to make sense of their lives. Isn't this all good, Momma?! Oops! I have to go now — It's 3.20 p.m.!

- * Lalitā, it's a full lockdown — how can you go anywhere?*
- * Govinda Mātājī is giving a skype class at 3.30 and I really want to join it.*
- * Oh, that sounds good — what's the topic for the class?*
- * Nāma saṅkīrtana. Mātājī said it's time to follow in the footsteps of Śrī Caitanya Mahāprabhu — it's time to close the class books and just come together for Harināma. That's what the world really needs right now.*
- * You're going to perform Harināma by skype? Won't there be sound distortion from so many devotees chanting?*
- * No problem — we'll figure it out. Mātājī says we have to outsmart Kali.*
- * Lalitā! What does that mean?!*
- * Well, he thinks he can destroy Mahāprabhu's saṅkīrtana mission by having the world's leaders impose social isolation. We're going to prove him wrong! I really have to go, Momma — I'm scheduled to lead the first kīrtana.*
- * No problem — mega prayers for a very dynamic and enlivening Harinama!*
- * Thank youuuu! Love you, Momma!*



Hmm! All I see is death and disease, anxiety and fear — ***so many people are suffering.*** But maybe my daughter is right. Maybe I do need to see the bigger picture — and Kṛṣṇa's all powerful — and all merciful! — hand in it. A friend called this morning to tell me that environmental scientists are saying that the ozone layer is self-healing because of the global lockdown — that's pretty amazing!

Anyway, I definitely need to make some conscious, careful and prayerful decisions about how I want to live my life. That's a given — and the most crucial question I need to honestly answer is.....

Do I Want to Live the Culture of LOVE?

PREACHING CENTRES AROUND DELHI NCR

ISKCON, EAST OF KAILASH

Chirag Delhi-168, Sejwal Chowpal, Near Subzi Mandi
Chirag Delhi, New Delhi-110017

Contact at: 9911717110, 9910381818, 9810484885
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Okhla- Chhuria Muhalla Chowpal, Tehkhand Village
Okhla, Phase – I, New Delhi-110020
Contact at: 8588991778, 9810016516, 9911613165, 9971755934
Program: Every Tuesday, Evening 7 PM to 9 PM

Kotla Mubarakpur- Shri Omkareshwar Shiv Mandir
(Panghat wala), Gurudwara Road
Opp. Sher Singh Bazar, Kotla Mubarakpur, New Delhi-110003
Contact at: 9350941626, 9818767673, 9311510999
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Khanpur- B-192-B, Jawahar Park, Devli Road
(Near Cambridge School), Khanpur, New Delhi-110062
Contact at: 9818700589, 9810203181, 9910636160
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Hari Nagar, Ashram- 217, Saini Chaupal, Ashram Or 119, VIIT Computer
Institute (Basement)
Hari Nagar, Ashram, New Delhi-110014
Contact at: 9811281521, 011-26348371
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

East Vinod Nagar-E – 322, Gali No. 8, East Vinod Nagar, Delhi-110091
Contact at: 9810114041, 9958680942
Program: Every Saturday, Evening 6.30 PM to 8.30 PM

Srinivas Puri-Sanatan Dharam Durga Mandir
1st Floor, J J Colony near to Gurudwara, Srinivas Puri,
New Delhi-110065
Contact at: 9711120128, 9654537632
Program: Every Wednesday, Evening 7.30 PM to 9 PM

Sangam Vihar- E-6/102, Near Mahavir Vatika
Sangam Vihar, New Delhi-110080
Contact at: 9212495394, 9810438870
Program: Every Sunday: Evening 5 PM to 8 PM
Every Morning: 5 AM to 7 AM (Mantra Meditation)
Every Evening: 7 PM to 9 PM (Aarti)

Boat Club-Rajpath Lawn near Central Secretariat Metro Station,
New Delhi -110001
Every Wednesday 1PM -2 PM
Contact : 9560291770, 9717647134

Panchsheel Enclave-ISKCON DIVE, A-1/7 Panchsheel Enclave, New
Delhi-110017

Mayur Vihar-Srivas Angan Namahatta Center, 223-A Pkt.
C ph.2 Mayur Vihar
Every Saturday 5.30 - 7.30 PM
Contact ~ 9971999506 & 9717647134

Sarojini Nagar-Bharat Sewak Samaj Nursery School, Opp. Keshav Park,
Sarojini Nagar Market, New Delhi – 110023
Every Monday 6 PM to 8 PM
Contact : 9899694898, 9311694898

Lodi Road-Pocket – 2 Park, Lodhi Road Complex, New Delhi – 110003
Every Saturday 5 PM to 7 PM
Contact : 9868236689, 8910894795

R.K.Puram-DMS Park (Opp. House No. 238), Sector - 7, R.K. Puram,
New Delhi –22, Every Sunday 5 PM to 7 PM
Contact: 9899179915, 860485243, 8447151399

Gole Market-Model Park, Sector – 4, DIZ Area, Gole Market,
New Delhi – 110001
Every Saturday 5 PM to 7 PM
Contact: 9560291770, 9717635883

Sant Kanwar Ram Mandir-6.15pm. Every MONDAY at Jal Vihar Road,
Lajpat Nagar -2, New Delhi Contact- 9971397187.

East of Kailash-Katha - Amritam, 6.45 pm every Sunday, Venue- Prasadam
Hall, ISKCON Temple, Contact: 99582 40699, 70113 26781.

East of Kailash-Yashoda Angan, 6.45pm every Sunday, Venue- JCC
Room, Iskcon temple, East of Kailash, Contact:- 97110 06604

ISKCON, GURUGRAM

RADHA KRISHNA MADIR

New Colony, Gurugram, Every Saturday-6:30 to 8:30PM
Melodious Kirtan, Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna
Prasadam

Rail Vihar Community Center

Sec 47, Gurugram, Every Wednesday 7:00 to 9:30PM, Melodious Kirtan,
Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam



Do you want to find a
Vaishnava Partner
for a
Krishna conscious
marriage???

Look no further....

Please sign up on

www.kcmatches.com

Nitya Seva

Nitya Seva-Niswartha Seva is a selfless monthly donation program for serving the Lord. It's purely voluntary, based on the desire, inclination and capability of the donor. The mode of donation could be through cash, cheque or ECS. One can choose to donate any amount as Lord Krishna sees our intent behind that donation. A formal receipt will be provided for each donation. For more details,

- Sri Sri Radha Parthasarathi Nitya Vighraha Sewa including bhoga offerings (fruits, vegetables, dry fruits, wheat flour, sugar, desi ghee, etc), deity dresses, deity jewellery and other paraphernalia, Please contact HG Janmashtami Chandra Prabhu @ 7011326781, 9999035120
- For ISKCON, East of Kailash, Please contact HG Baladeva Sakha Prabhu @ 9312069623
- For ISKCON, Punjabi Bagh, Please contact HG Premanjana Prabhu @ 9999197259.
- For ISKCON, Dwarka, Please contact HG Archit Prabhu @ 9891240059.
- For ISKCON, Gurugram, Please contact HG Narhari Prabhu @ 9034588881.
- For ISKCON, Faridabad, Please contact HG Ravi Shravan Prabhu @ 9999020059
- For ISKCON Panchsheel, Please contact HG Advaita Krishna Prabhu @ 9810630309/HG Rasraj Prabhu @ 9899922666



International Society for Krishna Consciousness

Founder Acharya - HDG A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada

ISKCON, East of Kailash - Hare Krishna Hill, East of Kailash, New Delhi-65

Web: www.iskcondelhi.com | Live Darshan: live.iskcondelhi.com

Facebook: www.facebook.com/iskcondelhi, Contact: 011-41625804, 26235133

ISKCON, Punjabi Bagh - 41/77, Srila Prabhupada marg,
West Punjabi Bagh, Delhi-26
Contact Person: HG Premanjana Prabhu (8802212763)

ISKCON, Dwarka - Plot No.-4, Sector-13, Dwarka, New Delhi-110075
Web: iskcondwarka.org, Facebook: www.facebook.com/iskcon.dwarka/
Contact: 9891240059, 8800223226

ISKCON, Gurugram - Sudarshan Dham, Main Sohna Road,
Badshahpur, Gurugram
Contact Person: HG Narhari Prabhu : 9034588881

ISKCON, Faridabad - Sri Sri Radha Govind Mandir, Gita Bhawan,
C-Block, Ashoka Enclave-II, Sector-37, Faridabad,
Phone : 0129-4145231
Email : gopisvardas@gmail.com

ISKCON, Bahadurgarh - Nahara-Nahari Road, Line Par Bahadurgarh,
Haryana - 124507, Phone: +91-9250128799
Email: info@iskconbahadurgarh.com

ISKCON, Rohini - Plot No-3, Institutional Area, Main Road,
Sector-25, Rohini New Delhi 110085
Phone: +91-9871276969
Email: iskcon.rohini@gmail.com

ISKCON Gurugram (Badshahpur) - Sudarshan Dham, Gurgaon-
Sohna Road, Badshahpur, Gurgaon (2.5kms from Vatika Business park),
Gurugram, Haryana 122001
Phone: +91-9250128799, Email: info@iskconbahadurgarh.com

ISKCON Ghaziabad - 11, ISKCON CHOWK R, 35, Hare Krishna Marg,
Block 11, Raj Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201002
Phone: 081309 92863, Email: iskcon.ghaziabad@pamho.net

ISKCON Chhattarpur - Village Near Shani Dham Mandir, Asola,
Fatehpur Beri, New Delhi, Delhi 110074
Phone: 099537 40668

ISKCON Gurugram - ISKCON, Plot No 0, Near Delhi Public School,
Sector-45, Gurugram, Haryana-122003
Phone: 09313905803, 08920451444, 09810070342
Email: iskcongurugram.sec45@gmail.com

Sri Sri Radha-Vallabh Temple - 2439, Chhipiwara, Chah Rahat,
Jama Masjid Rd, Old Delhi, Delhi-110006
Phone: 098112 72600

Sri Sri Radha Govind Dev Temple - Opposite NTPC Office, A-5,
Maharaja Agrasen Marg, Block A, Sector 33, Noida, Uttar
Pradesh-201301
Phone: 095604 76959

We hope you liked the newsletter. Please send your feedback/comments/suggestions at delhinews108@gmail.com



Transcendental Dining Experience

GOVINDA'S
PURE VEGETARIAN RESTAURANT

Facilities for Corporate Meetings / Seminars / Weddings /
Birthday / Reception etc. from Minimum 30 to 600 persons.
We undertake Outdoor Catering services as well.

Lunch
12.30 to 3.30 pm

Snacks
4.00 to 6.30 pm

Dinner
7.00 to 10.00 pm

- Wide selection of Snacks & Desserts
- Multi Cuisine Menu
- Unique Ambience
- Theme Decor Arrangement

A-la-Carte 7.00 to 10.00pm from Monday to Friday
Buffet Lunch daily, Buffet Dinner on Saturday and Sunday only

Only Restaurant in Delhi serving unique
Multi-Cuisine traditional feast of
56 varieties of dishes under one roof...

ISKCON Temple Complex, Sant Nagar,
East of Kailash, New Delhi-110065

9873131169 | 9650800328 | 011-41094042